



## परोपकारी बीवी-5

“जवाहर जैन स्नेहा बोली- मुझे अपनी बात तो पूरी करने दीजिए। मैं बोला- अब भी कोई बात बची है क्या झूठी औरत? स्नेहा बोली- मुझे झूठी क्यों कह रहे हैं आप? यह मैं नहीं, कल तुम्हें अलका कहेंगी, इसलिए कहेंगी क्योंकि तुमने कसम खाकर भी उसका काम नहीं किया। स्नेहा बोली- पहले मेरी पूरी बात

”  
[...] ...

Story By: जवाहर जैन (jawaherjain)

Posted: Tuesday, September 27th, 2011

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [परोपकारी बीवी-5](#)

# परोपकारी बीवी-5

जवाहर जैन

स्नेहा बोली- मुझे अपनी बात तो पूरी करने दीजिए।

मैं बोला- अब भी कोई बात बची है क्या झूठी औरत ?

स्नेहा बोली- मुझे झूठी क्यों कह रहे हैं आप ?

यह मैं नहीं, कल तुम्हें अलका कहेंगी, इसलिए कहेंगी क्योंकि तुमने कसम खाकर भी उसका काम नहीं किया।

स्नेहा बोली- पहले मेरी पूरी बात तो सुन लीजिए।

मैं बोला- हाँ बोलो बोलो !

स्नेहा बोली- आप यहीं लेटे रहिए, मैं अलका को यहाँ बुलाकर लाती हूँ। फिर आप पहले उन्हें चोदना बाद में मेरे को।

मैं खुशी से उछल पड़ा, मेरा मन बोला- अरे वाह आज दोनों को।

पर फिर स्नेहा को बताने के लिए कहा- अलका तुम्हारे सामने चुदने को तैयार कहाँ होगी।

स्नेहा बोली- वो तैयार है, आज अन्तर्वासना देखते समय ही हम लोगों ने यह योजना बना ली थी।

मैं खुश तो बहुत था, पर बोला- अरे यार, दोनों को एक साथ चोदने में मेरा क्या हाल होगा ?

वो बोली- कुछ नहीं होगा, कल छुट्टी मारना और आराम करना।

मेरे लिए चुदाई का यह नया अनुभव होता, तो मैं लेटे हुए ही स्नेहा को बोला- तो जाओ फिर, ले आओ बुलाकर अलका को !

स्नेहा तेजी से बाहर गेट की ओर बढ़ी और मैं दोनों को चोदने के ख्याल में लग गया ।

कुछ ही देर में स्नेहा अलका को लेकर आई, अलका अपनी बेटी मोना को गोद में लेकर आई थी । वह सो रही थी । मोना को स्नेहा ने लिया और बाहर के पलंग में सुला दिया । दोनों भीतर साथ ही आई ।

मैंने कहा- तो आप लोगों ने तय कर लिया है कि पहले कौन चुदेगा और ज्यादा कौन चुदेगा ?

अलका हंसते हुए बोली- आप जिसे पहले चोदना चाहें, चोद लीजिए, किसे ज्यादा चोदना है यह भी आपके ही ऊपर है ।

‘तो यह तय है ना कि मेरे ही बोलने पर आज सैक्स किया जाएगा ?’

दोनों ने हाँ में मुंडी हिलाई ।

मैं बोला- तो पहले हम सभी नंगे होते हैं !

यह बोलकर मैं नीचे उतरा और बरमुडा, अंडरवियर व टी शर्ट को उतार कर नंगा हो गया पर वे दोनों एक दूसरे को देखते हुई खड़ी ही थी ।

मैंने कहा- ऐसे शर्माओगी तो चुदोगी कैसे डियर ? चलो मैं ही आप लोगों को नंगा करता हूँ, पहले किसको करूँ ?

दोनों ने एक दूसरे की ओर उंगली बढ़ाई ।

मैं बोला- अब यह भी मुझे ही फाइनल करना पड़ेगा ।

दोनों मुझसे ही चिरौरी करने लगी कि पहले उसे करिए ।

मैं बोला- देखिए, यह घर स्नेहा का है, और स्नेहा को इस घर ने कई बार नंगी देखा है, जबकि अलका यहाँ नंगी नहीं हुई है । तो यहाँ की दीवारें भी आपको पहले नंगा देखना चाहती हैं इसलिए अलका के कपड़े पहले उतारे जाएँगे ।

यह बोलकर मैं अलका की ओर बढ़ा। स्नेहा खुशी से मेरे पास आ गई और मुझे अलका की ओर धकेलते हुए बढ़ी।

मैं अलका के पास पहुँचकर उन्हे व स्नेहा को अपनी बाहों में भरा। मैंने अलका के होठों पर अपने होंठ रखे और हाथों से उसके गाउन को ऊपर करके उतारा और नीचे डाल दिया। अलका ने आज पैन्टी व ब्रा पहनी थी इसे उतारने से पहले मैंने उनके पूरे शरीर पर अपने होंठ घुमाए, फिर पहले ब्रा उतारी व बाद में पैन्टी। अलका एकदम नंगी हो गई।

अब मैं स्नेहा की ओर बढ़ा, वह अलका के नंगे शरीर को बहुत ध्यान से देख रही थी, इसकी निगाह को अलका ने भी महसूस किया, इसलिए वह भी अब स्नेहा को नंगी कराने के लिए मेरे पास पहुँच गई।

मैंने स्नेहा को अपनी बाहों में भरा और उसके होठों को अपने दांतों के बीच करके जीभ को उसके होंठ पर घुमाने लगा। स्नेहा के लिए अभी मेरा यह प्यार अप्रत्याशित था, सो वह भी मुझसे लिपट गई। अब मैंने उसके गाउन के बटन खोले और उसे उतार कर नीचे डाल दिया।

अलका भी वहां आ गई थी, मुझे लगा कि स्नेहा के दूधिया रंग पर वह रीझ गई थी और ब्रा के ऊपर उठे उसके कप को चूमने लगी।

मदमस्त स्नेहा जो अब तक मेरा प्यार मिलने के कारण आँखें बंद किए हुए थी, अलका के होठों की तपिश को भांपते ही आँखें खोली और अलका के उरोज पकड़ कर दबाने लगी।

इन दोनों को एक दूसरे के शरीर से खेलता देख मैंने स्नेहा की ब्रा उतारी, फिर पैन्टी को भी नीचे कर उसके बदन से अलग कर दिया। अब दोनों ओह सॉरी कमरे में हम तीनों ही एकदम

नंगे खड़े थे। मैंने देखा कि अलका ने अपनी झांटों को आज ही साफ किया है, उसकी चूत एकदम चिकनी थी।

हालांकि स्नेहा की तो शुरू से आदत थी, वह अपने बालों को हर हफ्ते नियमित रूप से साफ करती थी इसलिए उसकी चूत भी एकदम साफ थी। अब अलका व स्नेहा एक दूसरे के चूचों को चूस व दबा रहीं थी। अभी अलका स्नेहा के चुचूक चूस रही थी, यह देखकर मैं झुका और अलका की चूत चाटने लगा।

अलका की चूत चाटने से वह स्नेहा को धकेलती हुई पलंग की ओर आई और स्नेहा को छोड़कर खुद पलंग पर लेटकर अपनी टांगें फैला दी।

मैं उसकी चूत के छेद में पूरी जीभ डालकर उसे अपनी जीभ से चोद रहा था। अलका ने स्नेहा को अपनी ओर खींचा और वह उसकी चूत चाटने लगी।

स्नेहा ने मेरी जांघ को अपनी ओर सरकाई और जांघ पर सिर रखकर मेरे लौड़े को चूसने लगी। इस तरह हम तीनों एक दूसरे के यौनांगों को चाट-चूस रहे थे।

चूत की चटाई से अलका बहुत उत्तेजित हो गई और कमर को बार-बार मेरे मुँह की ओर उछालने लगी। मैंने भी उसकी स्थिति को समझकर उसके चूतड़ों को अच्छे से पकड़ कर जीभ को और तेज कर दिया। उसकी चूत के पानी का स्वाद भी बदल रहा था। अलका भी स्नेहा की चूत का पानी निकालने को आमदा थी। चूत के छेद में अंदर जीभ डालकर हिलाने के अलावा वह उसकी चूत की फ़ली व नीचे गांड तक चाट रही थी।

स्नेहा के हाव भाव देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह बस अभी झड़ने ही वाली है।

इधर मेरा लंड भी अपने चरम पर था। पर हम तीनों में सबसे पहले स्नेहा झड़ी। अपनी कमर उछालते हुए वह उछली और उठी कमर में ही रूक गई, पर अलका उसकी चूत पर

अब भी अपना मुंह लगाए हुए थी।

मेरा भी स्नेहा के मुँह में झड़ गया, स्नेहा मेरे लंड को अब चाट रही थी। अब मैंने अलका की चूत पर अपनी जीभ की स्पीड बढ़ाई। अलका ने अब स्नेहा की चूत से मुंह हटा लिया और उसके मुंह से अब सैक्सी आवाजें निकल रही थी जिससे हम दोनों का मूड फिर से बन रहा था।

स्नेहा ने अब उसके एक चुचूक को मुंह में भर लिया और दूसरी चूची को दबा रही थी।

अलका अब जोर से उछली व अपनी चूत को मेरे मुंह में टिकाकर ढीली पड़ गई। उसकी चूत का फव्वारा मेरे मुंह में समा गया। तीनों बिस्तर पर सुस्त पड़े थे।

तभी कमरे में सिसकने की आवाज गूंजी। मैं व स्नेहा हड़बड़ाकर उठे, देखा तो अलका रो रही थी।

स्नेहा ने पूछा- अलका, क्या हुआ ? हमसे कोई गलती हो गई है क्या ? तुम क्यों रो रही हो।

अलका बोली- आप लोगों का मेरे प्रति प्यार देखकर ही मेरे आँसू छलक आए हैं स्नेहा। सही में ऐसा प्यार और आप जैसे लोग मुझे दुनिया में कहीं नहीं मिलेगा।

हम लोगों ने उन्हें चुप कराया। स्नेहा वैसे ही नंगी रसोई तक गई और आधा-आधा गिलास दूध मसाला डालकर लाई। दूध पीते तक अलका सामान्य हो गई और हम लोग हंसी-मजाक करते हुए फिर सैक्स की तैयारी में लग गए।

पहले स्नेहा की चुदाई करना तय हुआ।

अलका स्नेहा के निप्पल चूसने के बाद उसकी चूत के पास आई, व मेरे लंड को चूसने लगी।

मेरा पूरा तन गया, तब मुझे छोड़कर उसने स्नेहा की चूत पर जीभ लगाई, और उसे भी मस्त करके उसने अपने हाथों से मेरे लंड को स्नेहा की चूत तक लाई, अब स्नेहा की कमर ने उछलना शुरू कर दिया था। मैं भी शाट का जोर बढ़ाए जा रहा था। अलका ने स्नेहा के सिर के पास अपनी चूत रख दी, यहाँ मैं व स्नेहा दोनों ही उसकी चूत पर जीभ डालकर चाटने लगे।

थोड़ी ही देर में मेरा व स्नेहा का झड़ गया। उधर चूत की दो-दो जीभों से हुई चटाई से अलका भी गरमा गई, व अब वह स्नेहा के बाजू में आकर लेट गई।

वह बोली- आ जा रे जस्सू ! अपनी बीवी को ही चोदता रहेगा क्या भोंसडी के ? मेरी चूत में भी लंड दे ना।

मैं बोला- रूक, इसको अच्छे से खड़ा तो हो जाने दे, फिर चोदता हूँ ना।

अलका बोली- क्या यार स्नेहा, तूने अपने आदमी को हिजड़ा बना दिया है क्या ?

स्नेहा हंसी और मेरे लौड़े के पास बैठकर उसे चूसने लगी। थोड़ी ही देर में मेरा लंड तन गया।

अब स्नेहा ने अलका के होंठ फिर उसके स्तनों को चूसना शुरू किया। इधर मैंने अलका की चूत पर अपना लंड लगाकर भीतर किया, अब अलका भी मेरे लौड़े को और भीतर घुसेड़ने को ऊपर उछलने लगी, तथा मैं भी चूत में अंदर घुसेड़ने लगा। स्नेहा उसके चुच्चों को भींच रही थी। थोड़ी ही देर में अलका का गिर गया।

मैं बाकी था, सो शाट को और तेजी से लगाने लगा और जल्दी ही मैं भी झड़ गया। हम लोग काफी देर नंगे ही पलंग पर पड़े रहे।

अलका ने अपनी घड़ी उठाकर टाइम देखा, साढ़े चार बज रहे थे। अलका बोली- चल यार

स्नेहा, सुबह हो गई हैं चाय पिला दे।

स्नेहा चाय बनाने गई, तब तक अलका ने अपने कपड़े पहन लिए।

चाय पीते हुए वह बोली- आज मुझे तृप्त करने के बदले में तुम्हें क्या इनाम दूँ, यह समझ नहीं पा रही हूँ पर आप लोगों को मुझसे भविष्य में कोई भी चीज चाहिए हो, अपना अधिकार समझकर मांगिएगा, मैं वह तुरंत दे दूँगी।

हमने उससे कहा- ऐसा ही प्यार हम आपस में बांटते रहें, बस यही कामना है क्योंकि दुनिया टिकी भी तो प्यार पर ही है।

इस तरह अलका को सैक्स का आनन्द देने की कोशिश में आज हम लोगों को भी सैक्स के एक नए अध्याय का पता लगा।

मेरी यह कहानी आपको कैसी लगी, कृपया मुझे अवगत कराएँ।

[jawaherjain@yahoo.com](mailto:jawaherjain@yahoo.com)

2985



## Other stories you may be interested in

### दोस्त की जुगाड़ भाभी की डबल चुदाई

मेरे प्यारे दोस्तो, कैसे हो आप सब ... मैं आपका दोस्त शिवराज एक बार फिर से एक सच्ची घटना लेकर आया हूँ. आप सबका जो प्यार मुझे मिला, वो ऐसे ही देते रहना. इस बार मैं आपको एक हसीन हादसा, [...]

[Full Story >>>](#)

### टीचर की यौन वासना की तृप्ति-11

इस सेक्सी स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा कि नम्रता मेरे साथ मेरे घर आ चुकी थी और हम दोनों मेरे घर के बेडरूम में चुदाई के पहले का खेल खेलने लगे थे. अब आगे : फिर मैंने उसके पैरों के [...]

[Full Story >>>](#)

### शादीशुदा लड़की के साथ बिताये कुछ हसीन पल

दोस्तो, मेरा नाम कुणाल सिंह है। बहुत समय बाद अपने ज़िन्दगी की असली कहानी लिखने जा रहा हूँ। जितना प्यार आपने मेरी पुरानी कहानियों मेरी जयपुर वाली मौसी की ज़बरदस्त चुदाई चूत जो खोजन मैं चल्या चूत ना मिल्यो कोय [...]

[Full Story >>>](#)

### अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो !मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

### भाभी के साथ मजेदार सेक्स कहानी-1

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम इंद्रवीर है, मैं पंजाब का रहने वाला हूँ. मैं अन्तर्वासना शायद तब से पढ़ता आ रहा हूँ, जब से मेरे लंड ने होश संभाला है. वो जैसे कहते हैं बूँद-बूँद से सागर बन जाता है, वैसे [...]

[Full Story >>>](#)

